Bihar Board Class 12 Hindi Notes Chapter 1 बातचीत

लेखक परिचय

लेखक- बालकृष्ण भट्ट
जन्म- 23 जून 1844
निधन- 20 जुलाई 1914

निवास- इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश आधुनिक काल के भारतेन्दु युग के प्रमुख साहित्यकार

रचनाएँ: उपन्यास- रहस्य कथा, नूतन ब्रह्मचारी, सौ अजान एक सुजान, गुप्त वैरी, रसातल यात्रा, उचित दक्षिणा, हमारी घड़ी, सदभाव का अभाव, नाटक-पद्मावती, किरातर्जुनीय,वेणी संहार, शिशुपाल वध, नल दमयंती, शिक्षा दान, चंद्रसेन, सीता वनवास, पतित पंचम, मेघनाथ वध, कट्टर सूम की एक नकल, वहन्नला, इंग्लैंडेश्वरी और भारत जननी, भारतवर्ष और कलि, दो दूरदेशी, एक रोगी और एक वैध, रेल का विकेट खेल, बाल विवाह, प्रहसन- जैसा काम वैसा परिणाम, नई रौशनी का विष, आचार विडंबन इत्यादि

निबंध- लगभग 1000 निबंध जिनमें सौ से ऊपर बहुत महत्त्वपूर्ण

बातचीत निबंध का सारांश

बातचीत शीर्षक निबंध आधुनिक काल के प्रसिद्ध निबंधकार बालकृष्ण भट्ट द्वारा लिखा गया है जिसमें वाकशक्ति को लेखक ने ईश्वर का वरदान बताया है। बालकृष्ण जी कहते हैं कि वाकशक्ति अगर मनुष्य में ना होती तो ना जाने इस गूंगी सृष्टि का क्या हाल होता। वे कहते हैं कि बातचीत में वक्ता को स्पीच की तरह नाज-नखरा जाहिर करने का मौका नहीं दिया जाता।

वे कहते हैं कि जैसे आदमी को जिंदगी मजेदार बनाने के लिए खाने, पीने, चलने, फिरने इत्यादि की जरूरत है वैसे ही बातचीत भी अति आवश्यक है। इससे चित्त हल्का और स्वच्छ हो जाता है और मवाद जो हृदय में जमा रहता है वो भाप बनकर उड़ जाता हैा बेन जानसन कहते है कि बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता हैा

लेखक ने बातचीत के प्रकार को भी बताया है। एडीसन मानते हैं कि असल बातचीत सिर्फ दो व्यक्तियों में हो सकती है अर्थात जब दो लोग होते है तभी अपना दिल एक दूसरे के सामने खोल पाते हैा लेखक के अनुसार तीन लोगों के बीच बातचीत अंगूठी में जुड़ी नग जैसी होती हैा चार लोगों के बीच की बातचीत केवल फ़ार्मेलिटी होती है।

लेखक कहते हैं कि यूरोप के लोगों मे बातचीत का हुनर है जिसे आर्ट ऑफ कनवरसेशन कहते हैा इनके प्रसंग को सुनके कान को अत्यंत सुख मिलता हैा इसे सुहृद गोष्ठी कहते हैा

अंततः बालकृष्ण भट्ट कहते है कि हमें अपने अंदर ऐसी शक्ति पैदा करनी चाहिये जिससे हम अपने आप बातचीत कर लें और बातचीत का यही उत्तम तरीका हैा